

रंगपीठ पुं. (तत्.) रंगशाला।

रंग-बिरंगा वि. (देश.) 1. रंग-बिरंगों, अनेक रंगों वाला, बहुरंग, बहुरंगी चित्रित 2. अनेक प्रकार का, तरह-तरह का।

रंगभवन पुं. (तत्.) आमोद-प्रमोद या भोग-विलास करने का स्थान, रंगमहल।

रंगभूमि स्त्री. (तत्.) 1. उत्सवों, समारोहों के आयोजन का स्थान, नाटक, नृत्य आदि की प्रस्तुति का स्थान, रंगमंच 2. कुश्ती लड़ने का स्थान, अखाड़ा 3. खेल-तमाशों का स्थान, क्रीडा-स्थल 4. युद्ध का मैदान, रणभूमि, युद्ध क्षेत्र।

रंगभेद पुं. (देश.) 1. व्यक्ति के ऊपरी रूप रंग के आधार पर उसे समूह विशेष या संस्था आदि तक सीमित रखना 2. अश्वेत वर्ण की जातियों को श्वेत वर्ण की जातियों से हीन मान कर उनके प्रति भिन्न व्यवहार या आचरण करना।

रंगभेद-नीति स्त्री. (देश.) रंगभेद की नीति दे. 'रंगभेद' जैसे- पहले दक्षिण अफ्रीका में गोरों द्वारा वहाँ के मूल अफ्रीकी निवासियों के साथ हीन बर्ताव करने की रंग भेद की नीति अपनाई जाती थी।

रंगमंच पुं. (तत्.) नाटक आदि करने के लिए बना मंच या स्थान, नाट्यमंच, नाट्यशाला, रंगभूमि।

रंगमंडप पुं. (तत्.) नाट्यशाला, नाटकघर, रंगभूमि।

रंगमहल पुं. (तत्.+अर) धनी लोगों, राजा-रईसों आदि के भोग-विलास का स्थान।

रंगमार पुं. (देश.) ताश का एक खेल।

रंगरली स्त्री. (देश.) आमोद-प्रमोद, आनंद-क्रीडा, (विशेष- प्रायः इसके बहुवचन रंगरलियाँ शब्द का ही प्रयोग अधिक होता है)।

रंगरस पुं. (तत्.) 1. आमोद-प्रमोद 2. क्रीडा, मौजमस्ती का आनंद, विलास।

रंगरसिया पुं. (तद्.) 1. मौज-मस्ती में जीवन यापने करने वाला व्यक्ति 2. विलासी कार्यों में अभिरत व्यक्ति 3. विलासी पुरुष।

रंगराता वि. (तद्.) 1. जो प्रेम के रंग में रंगा हुआ हो 2. मन-मौजी कार्यों में मस्त 3. प्रेमरस से आनंदित।

रंगवस्त्र पुं. (तत्.) नाट्य. 1. नाटक मंचन के अवसर पर रंगशाला या रंगमंच की सज्जा में उपयोग में किये जाने वाले विशेष प्रकार के वस्त्र 2. रंगकर्मियों के विशेष परिधान।

रंगवाट पुं. (तत्.) नाट्य. 1. वह स्थान जहाँ किसी उत्सव या खेल, तमाशा या नाटक खेलने आदि का आयोजन किया जाता है 2. नाटक खेलने का स्थान, रंगभूमि 3. नाट्यशाला 4. अखाड़ा 5. रणभूमि।

रंगविधान पुं. (तत्.) नाट्य. 1. नाटक की पृष्ठभूमि के अनुसार रंगमंच की पुष्प वस्त्र, विद्युत उपकरणों आदि से की जाने वाली सजावट 2. अभिनेता पात्रों की नाट्योचित वेशभूषा का चयन 3. चित्रकला की दृष्टि से चित्रों में उचित रंग का संयोजन।

रंगशाला स्त्री. (तत्.) नाट्य. 1. नाटक खेलने के लिए नाट्यशास्त्र के अनुसार बनाया गया विशेष स्थान 2. नाट्यशाला, नाट्यगृह 3. नृत्यशाला। theatre

रंगसज्जा स्त्री. (तत्.) रंगमंच की सुंदर ढंग से की जाने वाली सजावट।

रंगसाज पुं. (फा.) 1. वह जो अलमारी आदि विभिन्न वस्तुओं पर रंग चढ़ाता है 2. वि. रंग बनाने वाला।

रंगसाजी स्त्री. (तत्.) रंगसाज का काम, व्यवसाय।

रंगस्थली स्त्री. (तत्.) 1. उत्सव, समारोहों या नाटक खेलने आदि के लिए बनाया गया सुसज्जित स्थान 2. रंगभूमि 3. रंगभवन।

रंगहीन वि. (तत्.) 1. जो देखने में रंग रहित हो 2. जिसका रंग अत्यंत फीका पड़ गया हो 3. जिसका कोई रंग स्पष्ट न हो 4. विवर्ण।

रंगारेख पुं. (तत्.) 1. भवन के किसी हिस्से दीवाल आदि में या किसी वस्तु, वस्त्र आदि के थोड़े